सम्पादकीय

रविवार, 22 सितंबर 2024

आस्था स्थल से खिलवाड़

एक बड़ा सवाल यह है कि ये कौन लोग हैं, जिन्हें पवित्रता एवं जन-आस्था की परवाह नहीं है। मंदिर ट्रस्ट ने प्रसादम से खिलवाड़ और मिलावट की पुष्टि की है। देश के एक पवित्रम श्रद्धा केंद्र तिरुपति मंदिर का प्रबंधन करने वाली संस्था तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने कहा है कि घी के आपूर्तिकर्ताओं ने मंदिर में गुणवत्ता जांच की सुविधा न होने का फायदा उठाया है। अब सवाल उठता है कि मंदिर प्रबंधन की सफाई या स्वीकारोक्ति को कितनी गंभीरता से लिया जाए? क्या मंदिर प्रबंधन को अपराध की गंभीरता का अंदाजा है? क्या मंदिर प्रबंधन को मंदिर की पवित्रता का अनुमान है? देश एवं दुनिया के सबसे चर्चित आस्थास्थल से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। यह अफसोस की बात है कि मंदिरों में बाहर से चढ़ने वाला प्रसाद तो पहले से ही संदेह के दायरे में रहता है, पर अगर मंदिर की अपनी रसोई में तैयार होने वाले प्रसाद की भी विश्वसनीयता आहत हुई है, तो यकीन मानिए, इंसान फिर किन पर भरोसा करेगा? क्योंकि व्यापार में मिलावट तो चल ही रही है, अब मन्दिरों में यानी भगवान के दरबार में मिलावट से मनुष्यता गहरे रसातल में चली गयी है। मूल्यहीनता एवं अनैतिकता की यह चरम पराकाष्ठा है। गुणवत्ता एवं पवित्रता सुनिश्चित करने वाले अधिकारियों के लिए यह एक गंभीर चुनौती है और इस चुनौती को स्वीकार करते हुए युद्ध स्तर पर काम करने की आवश्यकता है। इस खुलासे के बाद लोग अपना गुस्सा एवं आक्रोश भी जाहिर कर रहे हैं। कुछ ऐसा ही 1984 में भी हुआ था जब डालडा में चर्बी मिले होने का मामला सामने आया था, लेकिन वह व्यापार का मामला था, लेकिन तिरुपति प्रसादम में मिलावट का मामला आस्था का है। भूल, अपराध एवं लापरवाही की नब्ज को ठीक-ठीक समझना जरूरी है। भूल सही जा सकती है, लेकिन लापरवाही एवं आपराधिक सोच को सहन नहीं किया जा सकता। दरवाजे पर बैठा पहरेदार भीतर-बाहर आने-जाने वाले लोगों को पहचानने में भूल कर सकता है मगर सपने नहीं देख सकता। लापरवाही एवं अपराधिक मानसिकता विश्वसनीयता एवं पवित्रता को तार-तार कर देती है। बुराइयां जब भी मन पर हावी होती हैं, गलत रास्ते खुलते चले जाते हैं। मन्दिरों पर बुराइयां हावी होना चिन्ताजनक ही नहीं, गंभीर खतरों के संकेत हैं। मन्दिर प्रबंधन को अधिक चुस्त-दुरुस्त, पारदर्शी एवं नैतिक बनाने की भी जरूरत है। प्रश्न है कि हिन्दू मन्दिरों में ही ऐसे मामले क्यों सामने आते हैं, क्या मन्दिर प्रबंधन अन्य समुदायों के मन्दिरों या धार्मिक-स्थलों की तरह पवित्र, गुणवत्ता पूर्ण, उच्च चारित्रिक एवं नैतिक देखभाल नहीं कर सकते? यह मंदिर भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित है, जिसे तिरुपति बालाजी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। मान्यता है कि भगवान वेंकटेश्वर ने लोगों को कलियुग के कष्टों और परेशानियों से बचाने के लिए अवतार लिया था। यहां बालों का दान किया जाता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति अपने मन से सभी पाप और बुराइयों को यहां छोड़ जाता है, उसके सभी दुःख देवी लक्ष्मी खत्म कर देती हैं।

अपनी बात

जब तक किसी काम से बचते हैं, तब तक हमारा डर दूर नहीं हो सकता

कई बार हमें लगता है कि सब कुछ छोड़ देना चाहिए। कई बार तो हम बड़ी कामयाबी से कुछ पहले ही उम्मीद छोड़ देते हैं। लेकिन सफलता के लिए इस तरह की सोच बहुत घातक होती है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए जरूरी है कि आप पूरी लगन और मेहनत से कार्य करें।

जब तक किसी काम से बचते हैं, तब तक हमारा डर दूर नहीं हो सकता है और हमें सफलता नहीं मिल सकती। इस संबंध में एक लोक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार पुराने समय में एक राजा का पुत्र बहुत डरपोक था। राजा अपने पुत्र को तलवार चलाना सिखाना चाहते था, लेकिन राजकुमार में तलवार चलाने का साहस नहीं था, फिर भी पिता ने किसी तरह राजकुमार को थोड़ी बहुत तलवार चलाना सिखा दी थी। समय-समय पर राजा को युद्ध के जाना पड़ता था, लेकिन राजकुमार अपने पिता के साथ कभी भी युद्ध में नहीं गया, वह लड़ाई से डरता था। राजकुमार की वजह से राजा चिंतित रहता था, लेकिन वह कुछ कर नहीं पा रहा था। एक दिन उनके राज्य पर शत्रुओं ने आक्रमण कर दिया। दुश्मन काफी अधिक थे। राजा की सेना उनका सामना नहीं कर सकी। राजा को बंदी बना लिया गया। अब सिर्फ राजकुमार ही आजाद था। वह युद्ध मैदान में पहुंच गया। उसके पास लड़ने के अतिरिक्त कोई और विकल्प नहीं था। उसने तलवार उठाई और ताकत के साथ दुश्मनों में पर टूट पड़ा। राजकुमार को लड़ता देख उसके सैनिक भी जोश में आ गए और उन्होंने भी पूरी ताकत लड़ना शुरू कर दिया। इसके बाद हालात बदल गए। राजकुमार ने अपने पिता को आजाद करवा दिया।

सीमा-मनीष शर्मा
स्वतंत्र लेखिका

इस कथा की सीख यह है कि हम जब तक किसी काम से बचने की कोशिश करते रहेंगे, तब तक सफलता नहीं मिल पाएगी। कभी भी किसी काम से डरना चाहिए और खुद पर भरोसा रखकर आगे बढ़ना चाहिए। तभी जीवन सफल हो सकता है। व्यक्तिगत जीवन हो या फिर पेशेवर जिंदगी हर किसी को चुनौतियों का तो सामना करना ही पड़ता है। ऐसे में जरूरी है कि आप हार नहीं मानने को अपनी आदत बनाएं और सफलता प्राप्त करें। जब आप हर परिस्थिति में बेहतर करने की कोशिश करते हैं और आपके मन में हार नहीं मानने की बात होती है तो यह आपको मजबूत बनाती है। आपको सफलता के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है लेकिन आप कभी भी विफलता से हार नहीं मानोगे। जब भी विफलताएं आपके रास्ते में आएंगी, वे आपको कुछ न कुछ सबक सिखाकर ही जाएंगी। लेकिन हार मानकर बैठ जाना आपको कुछ नहीं सिखाएगा। जीवन में हर इंसान चाहता है कि वह जीवन से जुड़ी हर जंग या फिर कहें मुकाबले में जीत हासिल करे। जीत को हासिल करने के लिए हर इंसान अपनी तरफ से खूब प्रयास भी करता है, लेकिन हर बार आपको जीत मिले ऐसा कभी नहीं होता है। कभी आप दूसरों के द्वारा किए गए बेहतर प्रयास के चलते हार जाते हैं तो कभी आपकी उस हार के पीछे आपकी आधी-अधूरी तैयारी होती है। यही कारण है कि इंसान को कभी जीत मिलती है तो कभी उसे हार का सामना करना पड़ता है। जीवन में कुछ लोग एक बार असफल होने के बाद अपनी हार मान लेते हैं और दोबारा कभी उस मुकाबले को जीतने का प्रयास नहीं करते हैं, जबकि कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो बार-बार हारने के बाद भी उस जीत को हासिल करने के लिए तन-मन-धन से प्रयासरत रहते हैं और अंत में उसे हासिल करके ही दिखाते हैं।

कॉर्पोरेट

दैनिक चैतन्य लोक

हीरो हीरोइन में परेश रावल के साथ काम करने पर दिव्या खोसला ने जताया उत्साह

सुरेश कृष्ण की बहुप्रतीक्षित फिल्म हीरो हीरोइन में परेश रावल एक निर्देशक की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। दिव्या खोसला एक संघर्षशील अभिनेत्री की भूमिका निभा रही हैं, जो अपने पहले ब्रेक की उम्मीद कर रही है, जबकि रावल का किरदार, प्रतिभा को निखारने के लिए जाने जाने वाले एक प्रसिद्ध दक्षिण भारतीय निर्देशक से प्रेरित है, जो उसे उस सपने को हासिल करने में मदद करता है। दिव्या ने अपना उत्साह साझा करते हुए कहा, 'यह मेरे लिए एक नई शुरुआत की तरह लगता है। जिस तरह मेरी पिछली फिल्म सावी ने मुझे आत्म-अन्वेषण के एक अनछुए क्षेत्र में ले जाया, उसी तरह यह भी महसूस होता है। मैं अपने अवचेतन के उन क्षेत्रों में जा रही हूँ, जिनके अस्तित्व के बारे में मुझे पता ही नहीं था। परेश जी जैसी क्षमता वाले अभिनेता के साथ काम करना एक सपने के सच होने जैसा है।' निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने कहा कि हीरो हीरोइन तेलुगु में है, लेकिन इसके विषय सार्वभौमिक रूप से गूंजते हैं, क्योंकि यह हर भारतीय फिल्म उद्योग में पाए जाने वाले संघर्षों और जीत को दर्शाता है। यह फिल्म दिव्या खोसला की तेलुगु सिनेमा में पहली फिल्म है, जो मनोरंजन की प्रतिस्पर्धी दुनिया में नए लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों को दर्शाती है। परेश रावल के साथ, हीरो हीरोइन 2025 की सबसे रोमांचक फिल्मों में से एक होने का वादा करती है।

25वीं वर्षगांठ पर स्टार कलाकारों की उपस्थिति में रेडियो नशा का नशा प्रीमियर नाइट्स करेगा 'ताल' की विशेष स्क्रीनिंग

जैसे ही ताल 25 साल का हो गया, इसके अविस्मरणीय संगीत, आश्चर्यजनक दृश्यों और प्रतिष्ठित क्षणों का जादू बड़े पर्दे पर लौट आया, प्रशंसकों को याद दिलाया कि यह बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक क्यों बनी हुई है, नशा प्रीमियर नाइट्स के सौजन्य से - टोयो द्वारा प्रस्तुत 'इश्क बीना' की भावपूर्ण धुनों से लेकर 'रमता जोगी' की विद्युतीय ताल तक, सुभाष घई के ताल ने संगीतमय सिनेमा को फिर से परिभाषित किया। ऐश्वर्या राय, अनिल कपूर और अक्षय खन्ना के शानदार प्रदर्शन और ए.आर. के मनमोहक साउंडट्रैक के साथ। रहमान के अनुसार, ताल एक पंथ क्लासिक बन गया है जो पीढ़ियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहा है। इस मील के पत्थर को चिह्नित करने के लिए, रेडियो नशा, सुभाष घई और टिप्स के सहयोग से, 21 सितंबर को प्रशंसकों के लिए एक असाधारण इंटरैक्टिव स्क्रीनिंग लाया। लोकप्रिय नशा प्रीमियर नाइट्स श्रृंखला का हिस्सा, यह कार्यक्रम प्रशंसकों को फिल्म के प्रतिष्ठित क्षणों और कालातीत संगीत में डूबने के साथ-साथ ताल के पीछे रचनात्मक दिमाग से जुड़ने का एक दुर्लभ अवसर देता है। नशा प्रीमियर नाइट्स ने पहले 'गुप्त', 'परदेस', 'खलनायक' और अब 'ताल' जैसी प्रतिष्ठित फिल्में दिखाई हैं। यह विशेष इंटरैक्टिव स्क्रीनिंग प्रशंसकों और फिल्म निर्माताओं को एक साथ लाने, ताल के आकर्षक सार को फिर से जगाने और इसकी संगीत प्रतिभा की एक चौथाई सदी का जश्न मनाने के लिए तैयार है। **ताल के दूरदर्शी, सुभाष घई ने अपना उत्साह साझा किया**: 'एक फिल्म निर्माता के रूप में यह मेरे लिए अपने दर्शकों से मिलने और बातचीत करने का एक शानदार अवसर होगा। मैं कुछ दिलचस्प कहानियां साझा करूंगा, खासकर ताल के निर्माण के बारे में, जो मेरी पसंदीदा फिल्मों में से एक है। दोबारा रिलीज के साथ, मैं रोमांचित हूं कि दर्शक बड़े पर्दे पर फिर से ताल का अनुभव कर सकते हैं, उसके जादू को फिर से महसूस कर सकते हैं।' निर्माता और टिप्स के प्रमुख रमेश तौरानी ने साझा किया, ''ताल' सिर्फ एक फिल्म से कहीं अधिक थी; यह एक सिनेमाई यात्रा थी जिसने मानवीय भावनाओं की गहराई का पता लगाया।

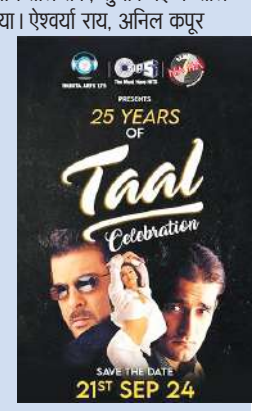

बाइकवो ग्रीनटेक लिमिटेड का आईपीओ को खुला

मुंबई। यूज्ड फॉर व्हीलर्स की खरीदी और बिक्री में अनुभव रखने वाली भारत की एक प्रमुख टू व्हीलर रिटेलर, बाइकवो ग्रीनटेक लिमिटेड ने 20 सितंबर को अपना इनिशियल पब्लिक आफरिंग खुला। कंपनी का इरादा इस आईपीओ के मार्फत 24.09 करोड़ एकत्र करने का है. कंपनी के शेयर्स एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे। इश्यू साइज 10 प्रत्येक सम भाव पर 38,86,000 इक्विटी शेयर्स तक है। **इक्विटी शेयर आवंटन-** क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर– 1,86,000 इक्विटी शेयर्स से अधिक नहीं, नान-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स – 17,52,000 इक्विटी शेयर्स से कम नहीं, रिटेल इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स– 17,52,000 इक्विटी शेयर्स से कम नहीं, **मार्केट मेकर**– 1,96,000 इक्विटी शेयर्स तक। आईपीओ से प्राप्त होने वाली शुद्ध धनराशि का उपयोग इलेक्ट्रिक टू व्हीलर वाहनों की खरीदी करने, 11 इलेक्ट्रिक डीलरशिप स्टोर्स स्थापित करने के पूंजी खर्च के लिए, कर्ज का फिर से भुगतान करने और आम कॉर्पोरेट कार्यों के लिए किया जाएगा। इश्यू 24 सितंबर को बंद होगा। इश्यू की बुक रनिंग लीड मैनेजर खंडेवाल सिक्योरिटी लिमिटेड है। इश्यू की रजिस्ट्रार बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड है। बाइकवो ग्रीनटेक लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजर डायरेक्टर, कटेपल्ली मनीदीप ने कहा। 'हमारे द्वारा हमारे आगामी आईपीओ की कगार पर होने से हम शानदार अवसर खोलने के प्रति उत्सुक है, जो इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में हमारी कंपनी के लिए आगे आने वाली हमारी शुरुआत से हमने प्री ओंड वाहन रिटेलर से इलेक्ट्रिक टू व्हीलर बाजार का एक प्रमुख खिलाड़ी बनाने का हमारा ट्रेजिशन टिकाऊ ट्रांसपोर्टेशन सॉल्यूशंस की बढ़ती मांग के लिए हमें तैयार किया है। इस आईपीओ की शुद्ध धनराशि हमारी इलेक्ट्रिक वाहन इन्वेंटरी को बढ़ाने, व्यूहात्मक स्थलों पर नए डीलरशिप स्टोर्स लॉन्च करने और कर्ज का फिर से भुगतान करने के मार्फत हमारी वित्तीय स्थिति मजबूत करने के लिए आवश्यक होगी। टियर 1, टियर 2 और टियर 3 शहरों में शानदार उपस्थित स्थापित करने पर हमारा फोकस ग्राहकों की सेवा करने की और उभरते सुअवसरों का दोहन करने की हमारी क्षमता बढ़ाएगा।'

एलआईसी म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया'एलआईसी एमएफ मैन्यूफैक्चरिंग फंड'

मुंबई। भारत के सबसे पुराने फंड हाउस में शामिल एलआईसी म्यूचुअल फंड ने एलआईसी एमएफ मैन्यूफैक्चरिंग फंड की शुरुआत की है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है जो मैन्यूफैक्चरिंग थीम को फॉलो करती है। इस स्कीम का एनएफओ आज यानी 20 सितंबर, 2024 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुला और यह चार अक्टूबर 2024 तक सब्सक्रिप्शन के लिए उपलब्ध रहेगा। इस स्कीम के तहत 11 अक्टूबर यूनिट आवंटित किए जाएंगे। योगेश पाटिल और महेश बेंद्रे इस स्कीम को मैनेज करेंगे। इस स्कीम को निफ्टी इंडिया मैन्यूफैक्चरिंग इंडेक्स (टोटल रिटर्न इंडेक्स) से लिंक किया जाएगा। इस स्कीम का निवेश लक्ष्य मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर से जुड़ी कंपनियों के शेयरों और शेयरों से जुड़े इंस्ट्रुमेंट्स में मुख्य रूप से निवेश के जरिए लंबी अवधि में निवेश पूंजी में वृद्धि हासिल करना है। हालांकि, इस बात को लेकर किसी तरह का आश्वासन नहीं दिया गया है कि निवेश लक्ष्य हासिल हो जाएगा। न्यूनतम 5,000 रुपये और उसके बाद एक रुपये के गुणकों वाली रकम के साथ एनएफओ के दौरान आवेदन/ स्विच इन किया जा सकेगा।

इस स्कीम का लक्ष्य मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की अलग-अलग कंपनियों में निवेश करना है, जिनमें ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल, केमिकल, हेवी इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स, धातु, शिपबिल्डिंग और पेट्रोलियम उत्पाद जैसे क्षेत्रों की कंपनियां शामिल हैं। हालांकि, यह दायरा इन्हीं क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। नए फंड ऑफर को लेकर एलआईसी म्यूचुअल फंड के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर आर के झा ने कहा,"भारत की मजबूत जीडीपी वृद्धि, तेजी से हो रहा शहरीकरण, मध्य वर्ग की बढ़ती आबादी, निर्यात को लेकर सरकार की पहल और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम और मेक इन इंडिया जैसे नीतिगत पहलों से विनिर्मित वस्तुओं की मांग में बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक ने 15वीं स्थापना दिवस मनाया, पूरे देश में 18 नए बैंकिंग आउटलेट्स का उद्घाटन किया

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने आज गर्व के साथ अपने 15वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भारत भर में 18 नए बैंकिंग आउटलेट्स का उद्घाटन किया। इस विस्तार के साथ, के बैंकिंग आउटलेट्स की कुल संख्या बढ़कर 966 हो गई है। नए बैंकिंग आउटलेट्स को विभिन्न राज्यों में बैंक की पहुंच को बढ़ाने के लिए रणनीतिक रूप से स्थापित किया गया है: बिहार: 4 आउटलेट्स, हिमाचल प्रदेश: 1 आउटलेट, झारखंड: 2 आउटलेट्स, केरल: 2 आउटलेट्स, मध्य प्रदेश: 3 आउटलेट्स, महाराष्ट्र: 1 आउटलेट, ओडिशा: 2 आउटलेट्स, उत्तर प्रदेश: 2 आउटलेट्स, उत्तराखंड: 1 आउटलेट। विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, पार्वीन कुमार गुप्ता, अध्यक्ष, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने कहा, 'हमारे स्थापना दिवस पर इन नए बैंकिंग आउटलेट्स का उद्घाटन हमारे वित्तीय समावेशन के दृष्टिकोण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम अपनी पहुंच बढ़ाने और प्रत्येक व्यक्ति और समुदाय को सशक्त बनाने वाले नवोन्मेषी और ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग समाधानों को प्रदान करने के प्रति प्रतिबद्ध हैं।' बैंक की यात्रा पर विचार करते हुए, गोविंद सिंह, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने कहा, 'उत्कर्ष कोरइन्वेस्ट लिमिटेड के गठन से लेकर उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक बनने तक, पिछले वर्षों में विकास, सीखने और प्रतिबद्धता की एक शानदार यात्रा रही है। हमारे मूल कंपनी के समय से लेकर आज तक की हमारी यात्रा ने ग्राहकों को मूल्य प्रदान करने और वित्तीय समावेशन के अपने मिशन को पूरा करने पर लगातार ध्यान केंद्रित किया है। जैसे ही हम अपने 15वें स्थापना दिवस का जश्न मनाते हैं, इन 18 नए बैंकिंग आउटलेट्स का उद्घाटन हमारे सामुदायिक सशक्तीकरण और आर्थिक विकास के लिए लगातार प्रयासों का प्रतीक है।' बैंक अपने ग्राहकों को विभिन्न वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने के लिए तैयार है, जिसमें बचत और चालू खाते, निश्चित जमा और आवर्ती जमा शामिल हैं। अपने ग्राहकों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए, बैंक विभिन्न ऋण उत्पादों की पेशकश करता है, जैसे कि आवास ऋण, व्यवसाय ऋण और संपत्ति के खिलाफ ऋण।

फिनिक्स ओवरसीज लिमिटेड का आईपीओ को खुला

मुंबई। एग्रीकल्चरल कमोडिटीज, एनिमल फीड्स, फैशन एसेसरीज और फूड प्रिजर्वेशन के निर्माण और ट्रेडिंग में प्रवृत्त , फिनिक्स ओवरसीज लिमिटेड ने 20 सितंबर को अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग खुला। कंपनी का इरादा इस आईपीओ के मार्फत 36.03 करोड़ करोड़ एकत्र करने का है। कंपनी के शेयर्स एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे। इश्यू साइज 10 प्रत्येक सम भाव पर 56,30,000 इक्विटी शेयर्स तक है। **इक्विटी शेयर आवंटन-** क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर– 8,02,000 इक्विटी शेयर्स। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स – कम से कम 23,00,000 इक्विटी शेयर्स। रिटेल इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स– कम से कम 22,46,000 इक्विटी शेयर्स। मार्केट मेकर– 2,82,000 इक्विटी शेयर्स। आईपीओ से प्राप्त होने वाली शुद्ध धनराशि का उपयोग कार्यशील पूंजी की जरूरत का वित्त पोषण करने, इनॉर्गेनिक ग्रोथ पहल करने और आम कॉर्पोरेट कार्यों के लिए किया जाएगा. इश्यू 24 सितंबर 2024 को बंद होगा। इश्यू की बुक रनिंग लीड मैनेजर खांडवाला सिक्योरिटी लिमिटेड है.इश्यू की रजिस्ट्रार कैमियो कॉरपोरेट सर्विसेज लिमिटेड है। फिनिक्स ओवरसीज लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, अपरेश नंदी ने कहा, 'क्योंकि कंपनी अपने आईपीओ की तैयारी कर रही है, जिससे हमें हमारी यात्रा और सफलता को प्रदर्शित करने पर गर्व है.वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हमें 3 स्टार एक्सपोर्ट हाउस के रूप में मान्यता दिए जाने से हमने कृषि निर्यात, जूट और फैशन एसेसरी निर्माण और फूड मैन्युफैक्चरिंग और फूड प्रिजर्वेशन सहित विभिन्न बिजनेस का निर्माण किया है। आगामी आईपीओ हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन को दर्शाता है. यह उभरते बाजारों में हमारी उपस्थिति को मजबूत कर, हमारे प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का विस्तार कर और हमारी वैश्विक पहुंच को बढ़ाकर हमारे भावी ग्रोथ को बढ़ावा देगा। कृषि एक्सपोर्ट, जूट मैन्युफैक्चरिंग और कोल्ड स्टोरेज सॉल्यूशंस में ठोस फाउंडेशन के साथ हम हमारे ऑपरेशन को बढ़ाने, इनोवेशन को आगे ले जाने और उभरते ग्लोबल क्षेत्र में नए सुअवसरों का दोहन करने के लिए बेहतर स्थिति में है. यह कदम हमें दीर्घकालिक सफलता की स्थिति में पहुंचने के साथ निरंतर वैल्यू डिलीवर करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि करता है।' खंडवाला सिक्योरिटीज लिमिटेड के एसोसिएट डायरेक्टर, रिनव मानसेता ने कहा, 'फिनिक्स ओवरसीज लिमिटेड अपने आगामी आईपीओ के साथ एक शानदार छलांग लगाने के लिए तैयार है।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल अहमदाबाद ने शुरुआती चरण में डायग्नोसिस और सही उपचार की हिमायत करके विश्व अल्ज़ाइमर दिवस मनाया

अहमदाबाद। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल अहमदाबाद ने विश्व अल्ज़ाइमर दिवस के उपलक्ष्य में लोगों के बीच बड़े पैमाने पर जागरूकता फैलाने की हिमायत की, ताकि इस बीमारी से जुड़े कलंक के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया जा सके और इसके बारे में खुले तौर पर जानकारी उपलब्ध कराई जा सके। दुनिया 20 सितंबर को विश्व अल्ज़ाइमर दिवस मनाने की तैयारी कर रही है, और इस मौके पर अस्पताल ने ग्लोबल कम्युनिटी के साथ मिलकर अल्ज़ाइमर से पीड़ित लोगों और उनके परिवारों के बीच जागरूकता बढ़ाने और उन्हें सहारा देने का बीड़ा उठाया है। अल्ज़ाइमर एक ऐसी बीमारी है जो दिमाग पर धीरे-धीरे असर डालती है और इंसान की याददाश्त तथा सोच-समझकर काम करने की क्षमता को कमज़ोर बना देती है। यह बुजुर्गों में डिमेन्शिया का सबसे बड़ा कारण है और दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करता है। हालाँकि इसका कोई इलाज नहीं है, लेकिन इसके बारे में जागरूकता बढ़ाने और रोकथाम के उपायों को अपनाने से सार्थक प्रभाव पड़ सकता है। मस्तिष्क में कुछ खास तरह के प्रोटीन के जमा होने पर अल्ज़ाइमर होता है, जिससे 'प्लाक' और 'टेंगल्स' नामक संरचनाएं बन जाती हैं। इससे नर्व सेल्स, यानी तंत्रिका कोशिकाओं के बीच संपर्क टूट जाता है और अंत में ये कोशिकाएँ मर जाती हैं और मस्तिष्क में मौजूद टिश्यू नष्ट होने लगते हैं। याददाश्त का कमजोर होना अल्ज़ाइमर रोग का सबसे मुख्य लक्षण है, जिससे रोजमर्रा की ज़िंदगी पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाती है, योजना बनाना या समस्याओं को हल करना मुश्किल हो जाता है, जाने-पहचाने काम को पूरा करने में कठिनाई होती है, समय या स्थान को लेकर मन में हमेशा उलझन रहती है, दिखाई देने वाली चीजों को समझने में परेशानी होती है।

अहमदाबाद में जल्द ही होगा मैटर के पहले एक्सपीरियंस हब का शुभारंभ

अहमदाबाद। मैटर ग्रुप भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में स्वावलंबी बनाने के इरादे पर अटल है और यह कंपनी ईवी टेक्नोलॉजी एवं ऊर्जा भंडारण में सबसे आगे है, जिसने 11 अक्टूबर, 2024 को अहमदाबाद के हलचल भरे शहर में अपने पहले एक्सपीरियंस हब के उद्घाटन की घोषणा की है। मैटर एक्सपीरियंस हब को बिल्कुल नई टेक्नोलॉजी और डिज़ाइन के साथ तैयार किया गया है, जो बेमिसाल प्रोडक्ट्स के साथ-साथ रिटेल एवं ग्राहक सेवा का शानदार अनुभव प्रदान करेगा। यह भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में बड़ी पैमाने पर बदलाव लाने के मैटर के सफ़र में एक बड़ी उपलब्धि है। मैटर एक्सपीरियंस हब अहमदाबाद शहर के बीचों-बीच बेहद महत्वपूर्ण स्थान पर स्थित है, जो सिर्फ़ एक रिटेल स्पेस से कहीं बढ़कर है; दिलो-दिमाग में नई उमंग जगाने वाला इसका शानदार डिज़ाइन ग्राहकों के साथ-साथ बाइकिंग के शौकीनों को समान रूप से तल्लीनता भरा अनुभव प्रदान करने वाला है। एक्सपीरियंस हब के आर्किटेक्चर और लेआउट को सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है, जिससे इनोवेशन और सस्टेनेबिलिटी के लिए मैटर के अटल इरादे का पता चलता है। यह आगंतुकों को इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक में नवीनतम प्रगति से जुड़ने का बिल्कुल अनोखा अवसर प्रदान करता है। इसका मूल सिद्धांत एक ऐसा अनुभव प्रदान करना है, जो सस्टेनेबल मोबिलिटी के सबसे बेहतर विकल्प को चुनने में मददगार साबित हो। एक्सपीरियंस हब में सावधानीपूर्वक तैयार किए गए घटकों को शामिल किया गया है, जो टेक्नोलॉजी और लाइफस्टाइल का बेजोड़ संगम हैं। इसमें मास्टर AERA डिस्प्ले शामिल है, जो भारत की पहली गियर वाली इलेक्ट्रिक मोटरबाइक को उसकी पूरी शान के साथ प्रस्तुत करता है। इसके अलावा, इसमें एडवांस्ड फीचर्स के बारे में जानने के लिए एक टेक डिस्प्ले, इंटरैक्टिव फीचर्स का प्रदर्शन और गतिशीलता को दर्शाने वाले विंडो डिस्प्ले भी शामिल हैं। यहाँ पर टेस्ट राइड, डिलीवरी, चार्जिंग और 'फिजिटल' अनुभव के लिए भी अलग-अलग जोन बनाए गए हैं, जो फिजिकल एवं डिजिटल इंटरैक्शन का सहज तालमेल प्रस्तुत करते हैं।

जावेद जाफरी ने श्रिया पिलगांवकर के पेशेवर रवैये की जमकर तारीफ की!

वस्या और उसके वरदान के बीच आएगी उसकी किस्मत या कोई दुश्मन चमत्कारों और जादू की एक कहानी में वस्या लालच और अहंकार के सफर पर है, लेकिन क्या यह सब दिखावा था बेहद प्रतीक्षित हॉटस्टार स्पेशल्स ताजा खबर अपने सीजन 2 के साथ लौट आया है। इसकी स्ट्रीमिंग 27 सितंबर से सिर्फ डिज्नी+ हॉटस्टार पर होगी। रोहित राज और भुवन बाम द्वारा बीबी की वाइन्स प्रोडक्शंस के बैनर तले निर्मित और हिमांक गौड़ द्वारा निर्देशित इस सीरीज में दिग्गज एक्टर जावेद जाफरी के साथ-साथ श्रिया पिलगांवकर, प्रथमेश परब, देवेन भोजानी और शिल्पा शुक्ला, आदि की महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं। वस्या की किस्मत और वरदान को एक ताकतवर आदमी युसुफ अख्तर से चुनौती मिलेगी और एक बार फिर वस्या और उसके परिवार की जान पर जोखिम मंडराएगा।

टाई के टॉईकॉन-2024 में बिजनेस लीडर ने कहा कि स्टार्टअप के क्षेत्र में आने वाला समय भारत का है

चैतन्य लोक, इंदौर। द इंडस आंत्रप्रेन्योर्स (टाई) द्वारा टाईकॉन एमपी-24 का आयोजन 21 सितंबर को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में किया गया। इसमें देशभर के 21 से ज्यादा आंत्रप्रेन्योर्स, फंड हाउस, इन्वेस्टर्स और बिजनेस लीडर्स ने 450 से ज्यादा स्टार्टअप को संबोधित किया। इसमें फंड मैनेज करने वाले फंड हाउस के अधिकारी भी मौजूद थे। टाई ग्लोबल वूमेन प्रोग्राम भी हुआ जिसमें 10 स्टार्टअप ने अपनी कहानी साझा की। पिच सेशन में स्टार्टअप ने अपने प्रोडक्ट और सर्विसेस के बारे बताया। पांच स्टार्टअप को फंडिंग देने पर भी विश्वास जताया गया। टाई एमपी के प्रेसिडेंट जय जैन ने कहा कि टाई का यह सम्मेलन मध्यप्रदेश के स्टार्टअप इकोसिस्टम को बूस्ट करने का काम करेगा। देशभर से आए वक्ताओं ने अपने स्टार्टअप की सक्सेस स्टोरी बताते हुए यहां के युवाओं को उत्साहित करने का काम किया। कुछ इन्वेस्टर्स अगले स्टेज में भी स्टार्टअप के साथ बातचीत जारी रखेंगे। ज्वाइंट सेक्रेटरी सावन लड्ढा और जनरल सेक्रेटरी मयूर सेठी ने कहा कि देश की नामी कंपनियों के ज्यादातर फाउंडर ने स्वीकारा कि स्टार्टअप के मामले में इंदौर का नाम देश के टॉप शहरों में लिया जाता है और उन्हें विश्वास है कि आने वाले वर्षों में बड़ा इकोसिस्टम बनेगा। यहां प्रॉपर जमीन, सुविधाएं, यूथ और कनेक्टिविटी होने से बाहर के शहरों की आईटी कंपनियां भी लगातार इंदौर की ओर मूव कर रही है। टाई का यह पहला राष्ट्रीय सम्मेलन था और इसमें जिस तरह का उत्साह स्टार्टअप और इन्वेस्टर्स के बीच देखा गया है, उससे उम्मीद की जा सकती है कि अगले वर्षों में शहर के स्टार्टअप को अच्छी फंडिंग मिलेगी।

TIE CON